अमर उजाला
amarujala.com
7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 19 संस्करण : उत्तर प्रदेश | उत्तराखंड | हिमाचल | जम्मू-कश्मीर | दिल्ली | हरियाणा | पंजाब | चंडीगढ़
बरेली
रविवार, 29 अक्तूबर 2017

दिल के मरीज डेंगू होने पर नियमित दवा कर दें बंद

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

दिल के मरीज को अगर डेंगू हो जाए तो वह अपनी नियमित दवा तुरंत बंद कर दें। ऐसा न करने पर उनकी समस्या बढ़ सकती है और जान को खतरा हो सकता है। एसआरएमएस मेडिकल इंस्टीट्यूट में चल रही यूपी एपीकॉन मेडिसिन अपडेट में यह जानकारी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ. केके गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि डेंगू होने पर हृदयरोग की दवा खाने से प्लेटलेट्स फंक्शन कम होते हैं, इससे समस्या बढ़ जाती है।

एसआरएमएस मेडिकल इंस्टीट्यूट में मेडिसिन अपडेट

डॉ. एमपी रावल के सवाल पर डॉ. केके गुप्ता ने बताया कि हृदय रोगियों की धमनियों में खून जमने की आशंका बनी रहती है, इसलिए उनका खून पतला करने के लिए मरीजों को एस्प्रिन आदि दवाएं दी जाती हैं। ऐसे में अगर उन्हें डेंगू हो जाए तो रोगियों को खून पतला करने वाली दवाएं तुरंत बंद कर देनी चाहिए। इसके अलावा जिन मरीजों के हार्ट में स्टंट डाला गया है उन्हें भी सावधान रहने की जरूरत है। वे लगातार डॉक्टरों से परामर्श लेते रहें। डॉ. गुप्ता ने बताया कि हृदयरोगी अगर दवा बंद कर देते हैं तो इससे प्लेटलेट्स फंक्शन बैलेंस तरीके से काम करते हैं। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आदित्य मूर्ति, डॉ. आरसी पुरोहित, डॉ. सरिता बजाज, डॉ. डी. हिमांशु, डॉ. निर्मल यादव उपस्थित रहीं।

जल्द आएगी डेंगू की वैक्सीन

डॉ. गुप्ता ने बताया कि डेंगू की वैक्सीन को प्रयोग करने की इजाजत अफ्रीका में दी गई थी क्योंकि वहां पिछले दिनों काफी मामले सामने आए थे। भारत में भी हर साल डेंगू के मामले सामने आ रहे हैं लेकिन एक बार वैक्सीन प्रयोग करने पर हर साल इसके वायरस पर नजर रखनी पड़ती है। हालांकि बहुत जल्द यहां भी वैक्सीन आ जाएगी।

प्लेटलेट्स के बाजार पर डॉक्टर बोले

डॉ. गुप्ता ने कहा कि डेंगू में प्लेटलेट्स काउंट कम होने पर अधिकतर डॉक्टर प्लेटलेट्स चढ़ाना शुरू कर देते हैं। इस पर ध्यान देना चाहिए। बोले, प्लेटलेट्स काउंट कम हो और ब्लीडिंग भी शुरू हो जाए तो तुरंत प्लेटलेट्स चढ़ानी चाहिए नहीं तो दस हजार से ऊपर होने तक प्लेटलेट्स अपने आप ही बढ़ने लगती हैं। केवल ब्लीडिंग का ख्याल रखें। इसके अलावा उन्होंने कार्ड टेस्ट को भी डेंगू के लिए सही बताया है।

इन टॉपिक पर भी बोले विशेषज्ञ : फोर्टिस नई दिल्ली के डॉ. विमलेश पांडेय ने रियूमेडिट आर्थराइटिस पर जानकारी दी। यह जोडों से संबंधित बीमारी है। केजीएमयू के डॉ. रजीव गर्ग ने एडवांस सीओपीडी पर विस्तार से बताया।

जेपी हॉस्पिटल के डॉ. ज्ञानेंद्र अग्रवाल ने सेप्सिस पर कहा कि यह हमारे शरीर के सभी अंगों को बेकार कर जान को खतरा पैदा कर सकती है। इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज की डॉ. सरिता बजाज ने फैटी लिवर के बारे में जानकारी दी। डॉ. अशोक चंद्र, प्रो. एमएल मित्तल ने भी चर्चा में भाग लिया। इस मौके पर 50 से अधिक पोस्टर पेश किए गए।